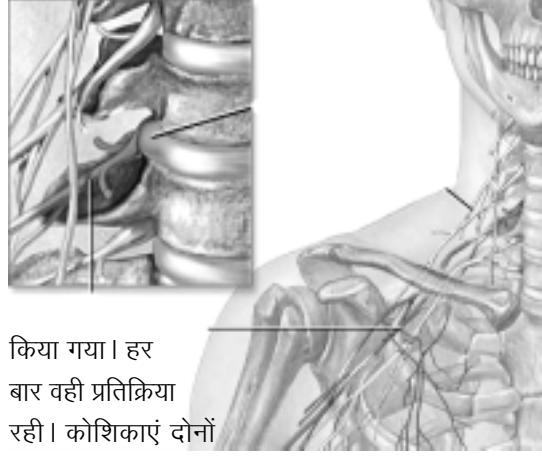


## गर्दन दर्द और ब्लड प्रेशर का सम्बंध

दर्द कई प्रकार के होते हैं और हर दर्द की अलग वजह भी होती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि गर्दन के दर्द और ब्लड प्रेशर में सम्बंध भी हो सकता है। जी हां! यह सच है कि जब आप ऑफिस में या कहीं और एक ही स्थिति में देर तक बैठकर कोई काम करते हैं तो ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है। यह आशंका तो काफी पहले से थी कि गर्दन के दर्द और ब्लड प्रेशर के बीच कुछ-न-कुछ सम्बंध जरूर है। चूहों पर किए गए प्रयोगों की मदद से वैज्ञानिकों ने इस सम्बंध को खोज निकाला है।

लीड्स विश्वविद्यालय के जिम ड्यूकर्स और उनके साथियों ने पता लगाया है कि मस्तिष्क और गर्दन की मांसपेशियों का सम्बंध ब्लड प्रेशर और हृदय गति से होता है। उन्होंने बताया कि मस्तिष्क और गर्दन की मांसपेशियों में सीधा सम्बंध है। ये दोनों एक ही हिस्से से जुड़ी होती हैं जिसे एन.टी.एस. (न्यूक्लियस ट्रेक्टस सोलिटेरियस) कहते हैं और यह ब्लड प्रेशर और हृदय गति के संचालन में बहुत ही महत्वपूर्ण रोल निभाती हैं।

दरअसल ड्यूकर्स और उनकी टीम चूहों के मस्तिष्क का अध्ययन कर रही थी। उन्होंने देखा कि चूहों के मस्तिष्क की कुछ कोशिकाओं का एक समूह, जो गर्दन की मांसपेशियों से भी जुड़ा होता है, प्रोटीन उत्तेजक व रोधक दोनों से ही उत्तेजित हो जाता है। इसका मतलब है कि कोशिकाओं का यह समूह मस्तिष्क में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इन कोशिकाओं को परीक्षण के लिए बार-बार उत्तेजित



किया गया। हर बार वही प्रतिक्रिया रही। कोशिकाएं दोनों

ही प्रकार के प्रोटीन से उत्तेजित हुईं। यह कहना है टीम के सदस्य लेन एडवर्ड्स का। उन्होंने बताया कि ये कोशिकाएं ही मुड़कर एन.टी.एस. से जुड़ती हैं। इसी वजह से ब्लड प्रेशर भी बढ़ता है तथा गर्दन में दर्द भी होने लगता है।

एडवर्ड्स कहते हैं कि जब गर्दन की मांसपेशी किसी कारण क्षतिग्रस्त हो जाती है तो कभी-कभी ब्लड प्रेशर और हृदय गति भी बदल जाती है।

इससे स्पष्ट होता है कि जब हम ऑफिस, घर या स्कूल-कॉलेज में कंप्यूटर के सामने एक ही स्थिति में घंटों बैठे रहते हैं तो ब्लड प्रेशर क्यों बढ़ जाता है और कुछ समय बाद गर्दन में दर्द क्यों शुरू हो जाता है। आम तौर पर इसे हम सामान्य दर्द समझकर नज़र अंदाज़ कर देते हैं जो बाद में खतरनाक साबित हो सकता है। (स्रोत विशेष फीचर्स)